

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1166
दिनांक 27 जुलाई, 2021

राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली

1166. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री बी. मणिककम टैगोर:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) पर्यावरण अनुकूल बीज के किस्मों जो बाढ़/अत्यधिक जल जमाव के प्रति सहनीय हैं, को विकसित कर रहा है;
- (ख) क्या बीज की ये किस्में उन राज्यों/क्षेत्रों जहां बाढ़/जल जमाव की समस्या बार-बार होती है, वहां संवहनीय उत्पादन में सहायक सिद्ध हुई हैं;
- (ग) बाढ़/अत्यधिक जल जमाव के प्रति सहनीय विकसित किस्मों की संख्या कितनी है, किन् राज्यों में इन बीजों का प्रयोग किया जा रहा है और इसके क्या परिणाम रहे;
- (घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश भर में किसानों की राज्य-वार संख्या कितनी है जिन्हें बाढ़-रोधी एवं सूखा-रोधी बीज प्राप्त हुए हैं;
- (ङ) देश के सभी बाढ़ प्रवण राज्यों में इन बीजों के उपयोग को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना का ब्यौरा क्या है; और
- (च) क्या सरकार बाढ़ सहनीय बीज उत्पादन के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है और यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (ग): जी, हाँ। वर्ष 2014 से, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से विभिन्न फील्ड फसलों की 1575 किस्में जारी की हैं नामतः अनाज (770), तिलहन (235), दलहन (236), चारा (170), रेशा फसलें (104), गन्ना (52) तथा कम उपयोग में आने वाली (8) फसलें।

लक्षण विशिष्ट किस्मों के प्रजनन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा वर्ष 2014 से अब तक चावल की (25), मक्का की (2), जूट की (4) मोठ की (1) तथा गन्ने की (9) बाढ़/ जलमग्नता/ जल भराव/ गहरे जल के प्रति सहिष्णु कुल 41 किस्में जारी की जा चुकी हैं। संबंधित विवरण **अनुबंध-I** के रूप में संलग्न हैं।

ऐसी किस्मों के कुल 1270.3 क्विंटल प्रजनक बीजों का उत्पादन किया गया है तथा फाउंडेशन तथा प्रमाणित बीजों के नीचे की ओर बहुगुणन के लिए ये केन्द्रीय और राज्य बीज उत्पादन एजेंसियों को उपलब्ध करवाए गए हैं जिनमें 2018-19 के दौरान 202.9 क्विंटल, 2019-20 के दौरान 515.9 क्विंटल तथा 2020-21 के दौरान 551.5 क्विंटल शामिल हैं। चावल के मामले में एनएससी, ओड़ीशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय को, मक्का के मामले में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा जूट के मामले में पश्चिम बंगाल तथा एनएससी को बाढ़/ जल भराव/ जल मग्नता के प्रति सहिष्णु किस्मों के प्रजनक बीजों की आपूर्ति की गई थी।

इसके अतिरिक्त, 2018-19 से 2020-21 के दौरान चावल; मक्का तथा जूट की बाढ़/ जलमग्नता/ जल भराव/ गहरे पानी के प्रति सहिष्णु नई जारी किस्मों के 25823.8 क्विंटल गुणवत्तापूर्ण बीज किसानों को उपलब्ध करवाए गए हैं। विभिन्न फसलों की दबाब सहिष्णु, उच्च पैदावार वाली किस्मों को अपनाने से पिछले वर्षों के दौरान सभी फसलों का उत्पादन बढ़ गया है। संबंधित विवरण **अनुबंध-II** के रूप में संलग्न हैं।

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान तथा वर्तमान खरीफ मौसम 2021 के दौरान बाढ़, सूखा तथा लवणता के प्रति सहिष्णु चावल की किस्मों के कुल 7949510 क्विंटल गुणवत्तापूर्ण बीज 24 राज्यों में किसानों को उपलब्ध करवाए गए हैं जो लगभग 39747550 हेक्टेयर के कुल क्षेत्र को शामिल कर सकते हैं। संबंधित विवरण **अनुबंध-III** के रूप में संलग्न हैं।

(ङ) प्रत्येक राज्य, बीज रोलिंग योजना के अनुसार अग्रिम रूप से तीन वर्ष के लिए विभिन्न फसल किस्मों के प्रजनक बीजों की मांग करता है जिन्हें रबी और खरीफ मौसमों के दौरान कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग के बीज प्रभाग द्वारा आयोजित होने वाली प्रजनक बीज मांग बैठकों में अंतिम रूप दिया जाता है। इन बैठकों में राज्य कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सभी केंद्रीय और राज्य बीज उत्पादन एजेंसियों के प्रतिनिधि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों के निदेशक तथा परियोजना समन्वयक तथा कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग के और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बीज प्रभागों के अधिकारी उपस्थित होते हैं, जहां राज्यवार तथा किस्म-वार चर्चा की जाती है और जिनमें उच्च पैदावार वाली दबाब-सहिष्णु तथा जैव-प्रबलीकृत किस्मों को बीज रोलिंग योजना में शामिल करने पर जोर दिया जाता है। कार्य-निष्पादन, विशिष्ट लक्षणों, संस्तुत क्षेत्र तथा विकासकर्ता संस्थानों के ब्यौरों के साथ विगत पाँच वर्षों के दौरान जारी की गई नई किस्मों की सूची सभी सरकारी और प्राइवेट बीज उत्पादक एजेंसियों को परिचालित की जाती है। कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आंचलिक बीज समीक्षा बैठकों, साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंस तथा राष्ट्रीय खरीफ और रबी अभियानों का आयोजन किया जाता है। राज्यों को सलाह दी जाती है कि वे सूखा, बाढ़ तथा लवण सहिष्णु किस्मों के बीजों की योजना बनाने, उनके उत्पादन तथा किसानों को वितरण

पर ध्यान केन्द्रित करें। राष्ट्रीय बीज निगम और राज्य बीज निगमों के माध्यम से उनकी बीज की आवश्यकता की पूर्ति के लिए उनके साथ समन्वय करके भारत सरकार, राज्य सरकारों के प्रयासों को सहायता प्रदान करती है। विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान पैदा किए गए तथा किसानों को उपलब्ध करवाए गए दबाब सहिष्णु (बाढ़, सूखा और लवण) चावल की किस्मों के प्रमाणित/ गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता **अनुबंध-III** में दी गई है।

(च) प्राकृतिक आपदाओं तथा बाढ़, सूखा आदि जैसी अनपेक्षित स्थितियों में जलवायु अनुकूलनशील अल्प तथा मध्यावधि फसल किस्मों के बीजों की आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए, कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, के बीजों और रोपण सामग्री पर उप मिशन के अंतर्गत, राष्ट्रीय बीज रिजर्व घटक के अंतर्गत बीजों को रिज़र्व किया जाता है/ उनका रखरखाव किया जाता है। विगत तीन वर्षों के दौरान रिजर्व किए गए/ रखे गए बीजों की मात्रा तथा इस घटक के अंतर्गत राज्यों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता निम्नानुसार है:

वर्ष	रिजर्व की गई बीज की मात्रा (लाख क्विंटल)	जारी की गई राशि (करोड़ रुपए)
2018-19	3.14	11.50
2019-20	2.70	9.37
2020-21	2.88	17.21

अनुबंध-1

{लोक सभा के दिनांक 27.07.2021 के अतारांकित प्रश्न सं0 1166 का भाग (क) से (ग)}

वर्ष 2014 से 2021 तक की अवधि के दौरान जारी की गई बाढ़/जल भराव/जलमग्नता सहिष्णु प्रक्षेत्र फसल/किस्में

क्र.सं.	फसल/किस्म	वर्ष	विकासशील संस्थान	अंगीकरण वाले क्षेत्र	औसत उपज क्विं./ हे.
	चावल				
1.	सीआर धान 505	2014	भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा)	उड़ीसा और असम	43.0
2.	सांबा सब-1 (आईईटी 21248)	2014	अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, फिलीपींस	उत्तर प्रदेश	30.0
3.	तन्मयी (ओआर2339-8) (आईईटी20262)	2015	ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (ओडिशा)	उड़ीसा	52.4
4.	सीआर 1009 सब 1	2016	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय तमिलनाडु चावल अनुसंधान संस्थान, अडुतराई (तमिलनाडु)	तेलंगाना	57.0
5.	सीआर धान 508 (आईईटी 23601)	2017	भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान सं., कटक (ओडिशा)	असम, पश्चिम बंगाल और ओडिशा	43.7
6.	भीमा (धीरा) (एमटीयू 1140) (आईईटी 23933)	2017	आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, आरएआर स्टेशन, मारुटेरु, (आंध्र प्रदेश)	आंध्र प्रदेश	60.0
7.	राजदीप सीएन 1039-9 (आईईटी 17713) (सीएनआर 4)	2017	चावल अनुसंधान केंद्र, पश्चिम बंगाल सरकार, चिनसुराह (पश्चिम बंगाल)	पश्चिम बंगाल	45.0 -55.0
8.	सीआर धान 506 (आईईटी 23053)	2017	भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा)	असम, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक	44.0

9.	सीआर धान 408 (आईईटी 20265) चाकाखी	2017	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात	ओडिशा	45.0
10.	सीआर धान 507 (आईईटी 22986)	2017	भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा)	ओडिशा	47.5
11.	सीआर धान 409 (आईईटी 23110)	2017	भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा)	ओडिशा	47.0
12.	सीओ 43 सब-1 (आईईटी 25676)	2018	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर (तमिलनाडु)	तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक	40.44
13.	डीआरआर धान 50 (आईईटी 25671)	2018	भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर , हैदराबाद (तेलंगाना)	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु , कर्नाटक, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, यूपी, एमपी	58.6 (सामान्य), 37.5 (सूखा), 25.3 (जलमग्न)
14.	रंजीत सब-1	2018	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशन, असम कृषि विश्वविद्यालय, तीताबार (असम)	असम	55.0
15.	बहादुर सब-1	2018	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशन, असम कृषि विश्वविद्यालय, तीताबार (असम)	असम	60.0
16.	आशुतोष ओआर 2331-14) आईईटी 21341	2018	ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (ओडिशा)	ओडिशा	40.0
17.	त्रिपुरा जल -1	2018	एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	त्रिपुरा	50-55
18.	सीआर धान 801 (आईईटी 25667)	2018	भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा)	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, यूपी और पश्चिम बंगाल	55.0

19.	सीआर धान 510(आईईटी 23895)	2018	भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा)	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	52.6 (पश्चिम बंगाल) और 40.1 (ओडिशा)
20.	क्षीरा (आईईटी 24495) (एमटीयू 1172)	2018	आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, आरएआर स्टेशन, मारुटेरु, (आंध्र प्रदेश)	ओडिशा और आंध्र प्रदेश।	45-50 (अर्ध गहरा पानी), 55-60 (सामान्य)
21.	सीआर धान 802 (सुभाष) (आईईटी 25673)	2018	भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा)	मध्य प्रदेश और बिहार	22.0 (जलमग्न), 41.0(सामान्य)
22.	सीएयू-आर4 (ईनोत्फौड) (आईईटी 22469)	2019	केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल (मणिपुर)	मणिपुर	38.0-45.0
23.	आईआर 64- सब 1 (आईईटी 21247)	2020	आचार्य नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अनुसंधान स्टेशन, मसोधा (उत्तर प्रदेश)	उत्तर प्रदेश	30 - 35 (जलमग्न)
24.	एनडीआर 9930111 (आईईटी 19117)	2020	आचार्य नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अनुसंधान स्टेशन, मसोधा (उत्तर प्रदेश)	उत्तर प्रदेश	43.0
25.	सबौर सम्पन्न धान (आईईटी 25960)	2020	बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (बिहार)	बिहार	68 (सिंचित), 31 (जलमग्न), 33 (सूखा)

	मक्का				
26.	जवाहर मक्का 218	2018	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश)	मध्य प्रदेश	50.52
27.	पूसा जवाहर हाइब्रिड मक्का-1	2018	आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश)	मध्य प्रदेश	64.74
	वाणिज्यिक फसलें				
	पटसन (जूट)				
28.	जेआरओ 2407 समाप्ति (टोसा जूट)	2016	भाकृअनुप-केंद्रीय पटसन और संबद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान , बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)	देश के संपूर्ण टोसा जूट उत्पादक राज्य	33.82
29.	ईशानी (जेआरसी-9057) सफेद जूट	2016	भाकृअनुप-केंद्रीय पटसन और संबद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान , बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)	पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, ओडिशा	28.2
30.	एनसीजे-28-10 एएयूसीजे-2 (ख्याति)	2017	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहट (असम)	असम और पश्चिम बंगाल	27.95
31.	जेआरसीजे-11	2020	भाकृअनुप-केंद्रीय पटसन और संबद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान , बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)	पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, बिहार,	31.45
	चारा				
	मोठ (राइस बीन)				
32.	बिधान राइस बीन-3 (केआरबी-19)	2016	बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, कल्याणी (पश्चिम बंगाल)	झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मणिपुर और केरल	शुष्क पदार्थ : 55.0, बीज : 5.0

	गन्ना				
33.	संकेश्वर 049 (सीओ एसएनके 05103)	2014	एआरएस संकेश्वर , कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ (कर्नाटक)	आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल मध्यप्रदेश	1059.7
34.	संकेश्वर 814 (सीओ एसएनके 05104)	2014	एआरएस संकेश्वर , कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ (कर्नाटक)	आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश	1068.6
35.	गुजरात गन्ना 5 (सीओएन 05071)	2016	मुख्य गन्ना अनुसंधान केंद्र, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय (गुजरात)	गुजरात	938.1
36.	गुजरात गन्ना 7 (सीओएन 04131)	2016	मुख्य गन्ना अनुसंधान केंद्र, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय (गुजरात)	गुजरात	1400.0
37.	बुद्धि 2003 ए 255 (सीओए 08323)	2017	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम(आंध्र प्रदेश)	आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु	10673.0
38.	सीओएलके 09204 (इक्षु-3)	2018	भाकृअनुप-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश	828.0
39.	सीओए 11321 (श्री मुखी)	2018	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, (आंध्र प्रदेश)	आंध्र प्रदेश	1113.1
40.	सीओएलके 12207 (इक्षु -6)	2018	भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान , कोयंबटूर (तमिलनाडु)	पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, झारखंड	754.2
41.	रंगा (सीओवी 15-356)	2019	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम(आंध्र प्रदेश)	आंध्रप्रदेश	1200-1300

अनुबंध-II

{लोक सभा के दिनांक 27.07.2021 के अतारंकित प्रश्न सं0 1166 का भाग (क) से (ग)}

वर्ष 2013-14, 2019-20 और 2020-21 के दौरान प्रक्षेत्र फसलों का क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता

फसल	2013-14			2019-20			2020-21*		
	क्षेत्र (मि. हेक्टेयर)	उत्पादन (मिलियन टन)	उपज (कि.ग्रा./हेक्टेयर)	क्षेत्र (मि.हेक्टेयर)	उत्पादन (मिलियन टन)	उपज (कि.ग्रा./हेक्टेयर)	क्षेत्र (मि.हेक्टेयर)	उत्पादन (मिलियन टन)	उपज (कि.ग्रा./हे क्टेयर)
चावल	44.14	106.65	2462	43.66	119.60	2722	44.19	121.46	2749
गेहूं	30.47	95.85	3117	31.36	108.00	3440	31.76	108.75	3424
मक्का	9.07	24.26	2567	9.57	29.00	3006	9.46	30.24	3199
कुल अनाज	99.83	245.79	2449	99.01	275.40	2772	99.54	279.87	2811
दलहन	25.21	19.26	789	27.99	25.60	823	29.15	25.58	877
कुल खाद्यान्न	125.04	265.05	2129	126.99	301.00	2343	128.70	305.44	2373
तिलहन	28.05	32.75	1167	27.14	33.22	1224	28.82	36.57	1269
गन्ना	4.99	352.14	70522	4.60	370.50	80497	4.84	392.80	81186

*तीसरा अग्रिम अनुमान

अनुबंध-III

{लोक सभा के दिनांक 27.07.2021 के अतारांकित प्रश्न सं0 1166 का भाग (घ) एवं (ड.)}

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उपलब्ध कराए गए दबाव सहिष्णु (बाढ़/जलभराव/जलमग्नता, सूखा और लवण) चावल किस्मों के राज्य-वार प्रमाणित/गुणवत्तापूर्ण बीजों के विवरण:-

राज्य	किस्मों की संख्या	दबाव सहिष्णु किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता (क्विंटल)				
		2018-19	2019-20	2020-21	केएच. 2021	कुल
आन्ध्र प्रदेश	8	140631	69368	12971	8414	231384
असम	12	59400	122735	200511	194214	576860
बिहार	8	54440	83610	64520	144991	347561
छत्तीसगढ़	12	110995	321704	182430	325845	940974
गोवा	1	600	2900	2550	2800	8850
हरियाणा	2	7838	4768	6666	5804	25076
झारखंड	8	193496	28175	47452	141003	410126
कर्नाटक	3	49875	70265	51102	33145	204387
केरल	3	28000	15836	14750	6974	65560
मध्यप्रदेश	8	10291	80776	57013	176250	324330
मेघालय	4	3800	4330	4010	4065	16205
महाराष्ट्र	4	50	18700	16500	11560	46810
मणिपुर	2	315	0	1550	0	1865
नागालैंड	3	620	4540	0	1285	6445
ओडिशा	18	236570	347204	301001	94235	979010
पुडुचेरी	5	1209	896	1148	32	3285
पंजाब	1	177	90	0	12	279
राजस्थान	1	500	0	0	0	500
तमिलनाडु	9	124910	74815	232990	40160	472875
तेलंगाना	2	207550	252305	235742	300298	995895
त्रिपुरा	7	10340	15350	9050		34740
उत्तर प्रदेश	18	121503	37297	51213	82502	292515
उत्तराखंड	1	0	1350	0	0	1350
पश्चिम बंगाल	24	586643	535045	512385	328555	1962628
कुल		1949753	2092059	2005554	1902144	7949510
